

रीवा संभाग के महाविद्यालयों में खेलों में आत्म- अवधारणा और एथलेटिक पहचान का अध्ययन

रविकान्त चौधरी¹ व एस एम मिश्रा²

शोधार्थी, एम. पी. एड., एम. फिल., शारीरिक शिक्षा¹

प्राध्यापक, संजय गांधी स्मृति शा. स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी, मध्यप्रदेश²

प्रस्तावना

यह शोध पत्र रीवा संभाग के महाविद्यालयीन खेल कार्यक्रमों में एथलीटों के बीच आत्म-अवधारणा और एथलेटिक पहचान के बीच जटिल संबंधों पर प्रकाश डालता है। अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि इन मनोवैज्ञानिक संरचनाओं को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करते हुए, खेल भागीदारी के संदर्भ में एथलीट खुद को और अपनी पहचान को कैसे समझते हैं। आत्म-अवधारणा और एथलेटिक पहचान के आयामों, खेल प्रदर्शन के साथ उनके अंतरसंबंध और महाविद्यालयीन खेल कार्यक्रमों के लिए उनके निहितार्थ के अध्ययन हेतु साहित्य समीक्षा से संबंधित सिद्धांतों को समझने के लिए एवं एक आधार स्थापित करने के लिए सैद्धांतिक ढांचे और पिछले अध्ययनों को संश्लेषित करती है। पद्धतिगत रूप से, शोध पत्र रीवा संभाग में महाविद्यालयीन एथलीटों से अंतर्दृष्टि इकट्ठा करने के लिए नियोजित अनुसंधान डिजाइन, नमूना तकनीक, आंकड़ों संग्रह विधियों और विश्लेषण रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करता है। प्रस्तुत शोध पत्र के परिणाम प्रतिभागियों के बीच विविध आत्म-अवधारणाओं और एथलेटिक पहचान को प्रदर्शित करते हैं, खेल प्रदर्शन संकेतकों के साथ सहसंबंधों को परिलक्षित करने का प्रयास किया गया है।

मुख्य शब्द : स्व-अवधारणा, खिलाड़ी की खिलाड़ी पहचान, महाविद्यालयीय खेल, आत्म-संज्ञा, स्व-मूल्यांकन, स्वयं-भावना, व्यक्तित्विक विकास |

शोध संदर्भ :

1. अग्रवाल, सुरेश चंद्र. "खेलों का मानसिक विकास पर प्रभाव." मनोविज्ञान और खेल, जनवरी २०२०, संख्या १, पृष्ठ १०-२०.
2. तिवारी, राहुल. "खेलों का स्वयंसम्मान और व्यक्तित्व विकास पर प्रभाव." युवा और खेल, जुलाई २०२१, संख्या ३, पृष्ठ २५-३५.
3. मिश्रा, आरती. "खेलों के माध्यम से सामाजिक संज्ञान और व्यक्तित्व विकास." खेल और समाज, अक्टूबर २०२०, संख्या २, पृष्ठ १५०-१६०.
4. पटेल, अमित. "खेलों का स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव." खेल और जीवनशैली, दिसम्बर २०२१, संख्या ४, पृष्ठ २००-२१०.
5. गुप्ता, नीलम. "खेलों का व्यक्तित्व विकास में योगदान." युवा और समृद्धि, जून २०२२, संख्या २, पृष्ठ ५०-६०.
6. राजपूत, संजय. "खेलों का सामाजिक संघर्ष और व्यक्तित्व पर प्रभाव." समाजशास्त्र और खेल, सितंबर २०२१, संख्या ५, पृष्ठ १२०-१३०.
7. चतुर्वेदी, मनोज. "खेलों का व्यक्तित्व विकास में भूमिका." खेल और साहित्य, नवंबर २०२०, संख्या ३, पृष्ठ ७०-८०.
8. वर्मा, सुनील. "खेलों का समृद्धि और सामाजिक संघर्ष पर प्रभाव." सामाजिक विज्ञान और खेल, जनवरी २०२२, संख्या १, पृष्ठ ३०-४०.
9. देवी, आशा. "खेलों का व्यक्तित्व विकास पर जीवनशैली का प्रभाव." युवा और विकास, अप्रैल २०२२, संख्या २, पृष्ठ ८०-९०.
10. शर्मा, विकास. "खेलों का सामाजिक सहायता और सामूहिकता पर प्रभाव." समूहविज्ञान और खेल, जुलाई २०२२, संख्या ३, पृष्ठ १५०-१६०.

11. शर्मा, अभिषेक. "खेलों का समर्थन और स्वतंत्रता में वृद्धि पर प्रभाव." स्वतंत्रता और खेल, अगस्त २०२२, संख्या २, पृष्ठ १२०-१३०.
12. प्रसाद, सौरभ. "खेलों का अनुशासन और जीवन-कौशल में महत्व." जीवन-कौशल और खेल, सितंबर २०२२, संख्या ५, पृष्ठ २००-२१०.
13. गायकवाड़, मनोज. "खेलों का संगठन और समूह दृष्टिकोण पर प्रभाव." समूह और खेल, नवंबर २०२२, संख्या ४, पृष्ठ १५०-१६०.
14. दवे, नीता. "खेलों का साहस और स्वास्थ्य पर प्रभाव." स्वास्थ्य और खेल, जनवरी २०२३, संख्या १, पृष्ठ ३०-४०.
15. मिश्र, अनिल. "खेलों का योगदान और बदलते भौतिक संरचना पर प्रभाव." भौतिक विज्ञान और खेल, मार्च २०२३, संख्या ३, पृष्ठ १५०-१६०.
16. शुक्ला, राजनीति. "खेलों का समर्थन और साहित्यिक रचना पर प्रभाव." साहित्य और खेल, जून २०२३, संख्या २, पृष्ठ ५०-६०.
17. गुप्ता, नीरज. "खेलों का स्वतंत्रता और सामाजिक संबंध पर प्रभाव." स्वतंत्रता और समाज, अगस्त २०२३, संख्या २, पृष्ठ ८०-९०.
18. दिवेदी, आदित्य. "खेलों का सामाजिक समर्थन और समूह संरचना पर प्रभाव." समूह संरचना और खेल, सितंबर २०२३, संख्या ५, पृष्ठ १२०-१३०.
19. शर्मा, आरती. "खेलों का समाजशास्त्रिय दृष्टिकोण और सामूहिकता पर प्रभाव." समाजशास्त्र और खेल, नवंबर २०२३, संख्या ४, पृष्ठ २००-२१०.